

(c) The number of porters required to perform parcels handling work and other miscellaneous items of work was assessed at 110.

Train Accidents

4860. SHRI V. M. SUDHEERAN : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether Government are aware of the increasing number of train accidents ;

(b) whether Government received any report on this rail accident at Valcheive near Kottayam ;

(c) the details of the damages ; and

(d) the steps taken therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN) : (a) During July, 1978, there were 75 train accidents in the categories of collisions, derailments, level crossing accidents and fires in trains on the Indian Government Railways against 95 and 88 train accidents in May, 1978 and June, 1978 respectively.

(b) Presumably, the reference is to the derailment of 47 Up Trivandrum-Cannore Express between Kuruppantara and Piravam Road stations of Southern Railway on 1-8-1978. The report of the Additional Commissioner of Railways Safety, who inquired into this accident, has not yet been received.

(c) The cost of damage to railway property involved in this accident has been estimated at approximately Rs. 80,000/-.

(d) Since human failure is the largest single factor responsible for accidents, Safety Organisations on the Railways have been engaged in a relentless campaign to create greater safety consciousness amongst the staff connected with the running of trains and to ensure that staff do not violate rules or indulge in shortcut methods that may lead to accidents. In order to reduce dependence on human element, various sophisticated aids like ultrasonic flaw detectors for wheels, axles and rails, track-circuiting, axle counters, automatic warning system, etc. are being introduced progressively. It has been decided to complete track-circuiting on run-through lines on all the stations on trunk routes by 1981. In addition, track-circuiting of 100 vulnerable stations from fouling mark to Advanced Starter will be completed by 30-9-1979.

तदर्थ कर्मचारियों को नियमित करना

4861. श्री शार० एन० राकेश : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार उन तदर्थ कर्मचारियों को नियमित करने का है जो सक्षम अधिकारियों द्वारा नियुक्त किये गये थे ;

(ख) यदि हाँ, तो रेलवे बोर्ड के श्रेणी III के उन तदर्थ कर्मचारियों को नियमित करने के प्रथी तर्क प्रवेश जारी न किए जाने के क्या कारण हैं जो वर्ष 1975-76 में सक्षम अधिकारियों द्वारा नियुक्त किये गये थे ;

(ग) क्या उनके द्वारा 11-6-77 की लोक सभा में घोषित वह नीति वर्ष 1975-76 में सक्षम अधिकारियों द्वारा नियुक्त रेलवे बोर्ड के तदर्थ कर्मचारियों पर लागू नहीं होती कि सक्षम अधिकारियों द्वारा नियुक्त तदर्थ कर्मचारियों को नियमित कर दिया जायेगा ;

(घ) यदि हाँ, तो उन्हें कब तक नियमित किया जायेगा और यदि नहीं, तो उन के सम्बन्ध में यह नीति लागू क्यों नहीं की गई है ; और

(ङ) क्या सरकार का विचार (उनको क्षेत्रीय रेलवे में प्रथवा रेलवे सेवा प्रायोग में खपान का है और यदि हाँ, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल संश्लेष में राज्य शंकी (श्री शिव मारायण) :

(क) जी हाँ ।

(ख) से (घ) 1976 में जो विशेष कर्मचारी तदर्थ आघार (पर नियुक्त किये गये थे वे द्वितीय टाइप जानने वाले बलकों की कमी को पूरा करने के लिए थे। उनकी नियुक्ति विभिन्न रूप से बोझी अवधि के लिए इस शत के आघार पर की गई थी कि जब भी नियमों में की गई व्यवस्था के अनुसार निर्धारित कोत से भर्तता-माल कर्मचारी उपलब्ध हो जायेंगे इन्हें हटा दिया जायेगा ।

इन सभी तदर्थ कर्मचारियों की सेवाओं को तब तक नियमित नहीं किया जा सकता जब तक वे लोग कर्मचारी चयन प्रायोग द्वारा ली जाने वाली परीक्षा पास नहीं कर लेते और कांमिक विभागा द्वारा नामित नहीं किये जाते ।

(ङ) इन कर्मचारियों को क्षेत्रीय रेलों में समाहित करने के प्रस्ताव पर तब तक विचार नहीं किया जा सकता जब तक वे लोग रेल सेवा प्रायोग द्वारा ली जाने वाली परीक्षा पास नहीं कर लेते और उनके द्वारा नामित नहीं किये जाते हैं ।